



भारत के फिनटेक क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए डीएलएआई का सिडबी के साथ समझौता
DLAI Signs MoU with SIDBI to Boost India's Fintech Sector

सिडबी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने डिजिटल लेंडर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (डीएलएआई) की उद्योग आचार संहिता जारी की

– वित्तीय समावेशन को उत्प्रेरित करने और डीएलएआई सदस्यों के लिए प्रत्यक्ष ऋण सहयोग को कारगर बनाने के लिए तीव्र गति से डिजिटल प्रणालियों को अंगीकृत करने के लिए रूपरेखा

-SIDBI CMD Released Digital Lenders Association of India's (DLAI) Industry Code of Conduct
-Framework for Driving Faster Digital Adoption for catalysing financial inclusion and Streamline Direct Lending Collaborations for DLAI members

मुंबई / गोवा, 25 सितंबर, 2023: डिजिटल लेंडर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (डीएलएआई) और भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने हाल ही में घोषणा की थी कि उन्होंने देश में फिनटेक क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए औपचारिक रूप से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सिडबी के सीएमडी श्री सिवसुब्रमण्यन रमन ने 23 सितंबर, 2023 को गोवा में डीएलएआई द्वारा आयोजित अन-कॉन्क्लेव 2023 में डीएलएआई की उद्योग आचार संहिता (सीओसी) दस्तावेज के नवीनतम संस्करण को भी जारी किया। इस कार्यक्रम में भारतीय फिनटेक उद्योग के शीर्ष 100 कार्यपालकों ने भाग लिया।

Mumbai/Goa, September 25, 2023: The Digital Lenders Association of India (DLAI) and the Small Industries Development Bank of India (SIDBI) recently announced that they have formally signed an MoU to propel the growth of the fintech sector in the country. Mr. Sivasubramanian Ramann, CMD SIDBI, also released DLAI's latest version of the Industry Code of Conduct (CoC) document at the UnConclave 2023 organised by DLAI in Goa on September 23, 2023. The event was attended by the top 100 executives of the Indian fintech industry.

आचार संहिता का नया संस्करण भारतीय रिज़र्व बैंक के डिजिटल ऋण प्रदायन दिशानिर्देशों के अनुरूप संरचित है और उत्तरदायी ऋण प्रदायन, पारदर्शिता, उचित ऋण वसूली प्रथाओं, डेटा गोपनीयता और सुरक्षा, नियामक ढांचे के अनुपालन, आदि जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को ध्यान में रखता है।

The new version of CoC is structured around the RBI's Digital Lending Guidelines and takes into account important aspects such as Responsible Lending, Transparency, Fair Debt Collection Practices, Data Privacy and Security, Compliance with Regulatory Framework etc.

इस अवसर पर बोलते हुए श्री रमन ने कहा, "भारतीय फिनटेक क्षेत्र में हो रहा उच्च विकास सर्वश्रेष्ठ सार्वजनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे (पीडीआई) और नियामक के परिपक्व नीतिगत समर्थन से प्रेरित है। यह उद्योग पर निर्भर करता है कि वह उत्तरदायी ऋणप्रदायन प्रथाओं को विकसित करने के लिए आरबीआई के डिजिटल उधार दिशानिर्देशों का लाभ उठाए और डीएलएआई द्वारा तैयार की गई आचार संहिता इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहला कदम है। हम डिजिटल ऋण प्रदायन को तीव्र गति से अपनाने की सुविधा के लिए मानक प्रोटोकॉल, ग्राहक संरक्षण, शिकायत निवारण आदि जैसे अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर उद्योग के साथ सहर्ष काम करेंगे। अपनी व्यावसायिक रणनीति के एक भाग के रूप में सिडबी सूक्ष्म उद्यमों तक प्रत्यक्ष पहुंच बनाने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी और साझेदारी का उपयोग कर रहा है। सिडबी डीएलएआई सदस्यों के माध्यम से अपने ऋण उत्पादों की पेशकश की संभावना तलाशेगा।

Speaking at the occasion, Mr. Ramann, said "High growth in Indian Fintech sector has been driven by best in class Public Digital Infrastructure (PDI) and matured policy support from regulator. It's for the industry to leverage the Digital lending guidelines of RBI to develop responsible lending practices and

the code of conduct prepared by DLAI is an important first step in this direction. We are happy to work with the Industry on other important aspects like standard protocols, customer protection, grievance redressal, etc. to facilitate faster adoption of digital lending. As a part of its business strategy SIDBI is using digital technology and partnerships to directly reach out micro enterprises. SIDBI will explore offering its credit products through the DLAI members."

सिडबी के साथ यह समझौता ज्ञापन डीएलएआई, इसके सदस्यों और सिडबी के बीच सहयोग के लिए एक फ्रेमवर्क स्थापित करना है। समझौता ज्ञापन की कुछ प्रमुख विशेषताएं निम्नवत हैं:

1. *डिजिटल अंगीकरण को बढ़ावा देने के लिए सहयोग:* बैंकों और ऋण सेवा प्रदाताओं (एलएसपी) के बीच गठबंधन, सह-उधार सहयोग, मॉडल साझेदारी समझौतों के विकास, आदि सहित डिजिटल ऋण प्रदायन साझेदारी को अपनाने में तीव्रता लाने के लिए मानक प्रोटोकॉल के विकास हेतु सिडबी के साथ सहयोग करना।
2. *जनहित हस्तक्षेपों को बढ़ाना:* सिडबी ग्राहक संरक्षण, ग्राहक शिकायत निवारण तंत्र, वित्तीय साक्षरता, अनुसंधान और प्रकाशन आदि क्षेत्रों में महत्वपूर्ण जनहित हस्तक्षेपों की सिफारिश करने के लिए डीएलएआई को समर्थन देने पर विचार करेगा।
3. *प्रत्यक्ष ऋण प्रदायन हेतु सहयोग:* सिडबी अनौपचारिक उद्यमों, सह-ऋण, जीएसटी सहाय, एक्सप्रेस ऋण, हरित वित्तपोषण, आदि और अन्य प्रत्यक्ष ऋण योजनाओं के लिए अपनी "प्रयास" योजना के अंतर्गत साझेदारी की संभावनाओं का पता लगाएगा।
4. *डीएलएआई सदस्यों को संसाधन सहयोग उपलब्ध कराना:* सिडबी पात्र डीएलएआई सदस्य एनबीएफसी को संसाधन सहायता भी उपलब्ध कराएगा और असाइनमेंट और प्रतिभूतिकरण लेनदेन सहयोग की संभावनाओं का भी पता लगाएगा।

The MOU with SIDBI, is to establish a framework for collaboration between DLAI, the members of DLAI and SIDBI. Some of the key highlights of the MoU are as follows:

1. *Collaborations to Boost Digital Adoption:* Collaborating with SIDBI to develop standard protocols to expedite the adoption of digital lending partnerships including alliances between Banks and Lending Service Providers (LSPs), Co-lending collaborations, developing model partnership agreements, etc.
2. *Enhancing Public Good Interventions:* SIDBI to consider support to DLAI to recommend significant public good interventions in areas such as client protection, customer Grievance redressal mechanism, financial literacy, research and publications, etc.
3. *Direct Lending Collaborations:* SIDBI will explore partnerships for its "Prayaas" Scheme for informal enterprises, co-lending, GST Sahay, Express loan, green financing, etc and other direct credit schemes SIDBI.
4. *Providing Liquidity for DLAI members:* SIDBI shall provide resource support to eligible DLAI member NBFCs and also explore Assignment and Securitization transactions.

समझौता ज्ञापन की घोषणा के अवसर पर डीएलएआई के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जतिंदर हांडू ने कहा, "सिडबी देश में एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए शीर्षतम संस्थान है। यह साझेदारी भारत की फिनटेक यात्रा में एमएसएमई क्षेत्र के वित्तपोषण में उनकी भूमिका को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतीक है। दोनों संगठन इस क्षेत्र को उच्च विकास पथ पर लाने के लिए अपनी अपनी संयुक्त विशेषज्ञताओं और संसाधनों का लाभ उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

Speaking at the MoU announcement, Mr. Jatinder Handoo, CEO, DLAI, shared, "SIDBI is the apex Institution for development of MSME sector in the country. This partnership signifies an important step in India's fintech journey for enhancing their role in financing to MSME sector. Both organizations are committed to leveraging our combined expertise and resources to pit the sector on high growth trajectory with responsible lending with innovation embedded therein."

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के बारे में:

सिडबी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के संवर्धन, विकास और वित्तपोषण के लिए भारत में भारत का प्रमुख वित्तीय संस्थान है। सिडबी ऋण गारंटी, प्रत्यक्ष ऋण, उद्यम पूंजी, डिजिटल प्लेटफॉर्म, सरकारी कार्यक्रम प्रबंधन आदि जैसे

विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से देश भर में उद्यमिता, आर्थिक विकास और वित्तीय समावेशन का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है।

About Small Industries Development Bank of India (SIDBI):

SIDBI is India's principal financial institution in India for promotion, development and financing of Micro, Small, and Medium Enterprises (MSMEs). SIDBI plays a critical role in supporting entrepreneurship, economic growth, and financial inclusion across the nation through various programs like credit guarantee, direct credit, venture capital, digital platforms, government program management, etc.

डिजिटल ऋणदाता एसोसिएशन ऑफ इंडिया (डीएलएआई) के बारे में:

डीएलएआई भारत में डिजिटल ऋणदाताओं और फिनटेक कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक प्रमुख उद्योग निकाय है। डीएलएआई जिम्मेदार उधार प्रथाओं को बढ़ावा देने, नवाचार को बढ़ावा देने और डिजिटल उधार पारिस्थितिकी तंत्र में अपने सदस्य संगठनों के हितों की वकालत करने के लिए समर्पित है।

About Digital Lenders Association of India (DLAI):

DLAI is a prominent industry body representing digital lenders and fintech companies in India. DLAI is dedicated to promoting responsible lending practices, fostering innovation, and advocating for the interests of its member organizations in the digital lending ecosystem.

डीएलएआई से संबंधित मीडिया प्रश्नों के लिए: सुश्री निशा खेतान - nisha@cubicpr.com

For media queries related to DLAI: Ms. Nisha Khetan at nisha@cubicpr.com